स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर महानिदेशक का संदेश

हमारे देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के इस गौरवपूर्ण अवसर पर, मैं CISF के सभी अधिकारियों, जवानों और उनके परिवारों को हार्दिक शुभकामनाएँ और बधाई देता हूँ।

आज हम अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों को गहरी कृतज्ञता के साथ याद करते हैं, जिनके परम बलिदान स्वरुप हमें आज़ादी मिली। हम अपने सशस्त्र बलों के उन वीर शहीदों, जिनमें CISF के जवान भी शामिल हैं, को भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने देश की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

CISF ने हमेशा देश की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा और सुरक्षा-चुनौतियों का पेशेवर तरीके से सामना करने में अद्वितीय प्रतिबद्धता दिखाई है। आज का सुरक्षा माहौल लगातार बदल रहा है, जिसमें संदिग्ध ड्रोन, हाइब्रिड वारफेयर और देश-विरोधी तत्वों जैसी नई चुनौतियाँ सामने आ रही हैं। इनका प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए हमें अपनी क्षमताओं को लगातार निखारना होगा और नई तकनीकों को अपनाना होगा।

CISF इन बहुआयामी चुनौतियों का सामना करने के लिए दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। हाल ही में बल की स्वीकृत संख्या को बढ़ाकर 2.2 लाख कर्मियों तक कर दिया गया है, जो एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बल की परिचालन क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण और नवीनतम उपकरणों की खरीद के माध्यम से कौशल का व्यापक उन्नयन किया जा रहा है।

बल के मनोबल को बढ़ाने के लिए एवं उनके कार्य और निजी जीवन में संतुलन बनाये रखने के लिये हमने पोस्टिंग नीति में बड़े बदलाव किए हैं, जिसके तहत लगभग 86% कर्मियों को पसंद के स्थान पर पोस्टिंग दी गई है। महिला कर्मियों, सेवानिवृत्ति के निकट कर्मियों और दंपत्ति मामलों के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं।

कल्याण कोष से चिकित्सा खर्च, बच्चों की शिक्षा, विवाह और मकान निर्माण के लिए मिलने वाली आर्थिक सहायता को काफी बढ़ा दिया गया है। इन सुविधाओं का लाभ उठाने की प्रक्रिया को सरल बनाया गया है और ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है, ताकि आसानी से लाभ लिया जा सके।

मुझे विश्वास है कि ये पहल न केवल बल के सदस्यों को प्रेरित करेंगी, बल्कि CISF को भविष्य के लिए और सक्षम व तैयार बनाएंगी। आइए, स्वतंत्रता दिवस की भावना से प्रेरणा लेकर ईमानदारी, सेवा और बलिदान की अपनी प्रतिबद्धता को एक बार फिर दोहराएँ।

एक बार फिर, मैं बल के सभी सदस्यों और उनके परिवारों को शुभकामनाएँ देता हूँ। तिरंगा सदा ऊँचा लहराता रहे और हमारा देशप्रेम अटूट बना रहे।

जय हिंद!

(राजविंदर सिंह भट्टी)
महानिदेशक